आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 298 | उज्जैन, बुधवार 17 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, स्वदेशी का संकल्प और राष्ट्र निर्माण के प्रेरक-डॉ. मोहन यादव

परिश्रम में जो तपा है, उसने ही तो इतिहास रचा है..

भोपाल। जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है, उसने ही समय को मोड़ा है, समय को मोड़ देने का भी यही समय है, सही समय है यह उद्घोष करने वाले हमारे प्रेरक, मार्गदर्शक और भारत निर्माण के दृष्टा यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को उनके जन्मदिवस पर अनंत शुभकामनाएं।

हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री जी आज इस विशेष दिवस पर मध्यप्रदेश आ रहे हैं। उनकी इस यात्रा से प्रदेश को एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। वे धार जिले के भैंसोला ग्राम में देश के पहले पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखेंगे। इसके साथ ही वे 'स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार और पोषण अभियान' तथा 'स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े का शुभारंभ करेंगे। मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता के साथ प्रधानमंत्री जी का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करता हूँ।

प्रधानमंत्री जी का संपूर्ण जीवन परिश्रम, पुरुषार्थ और सेवा के प्रेरणादायी संकल्प की यात्रा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माध्यम से राष्ट्र और समाज सेवा का संकल्प लेकर उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की यात्रा आरंभ की, जो प्रधानमंत्री के रूप में भी ध्येयनिष्ठ रही है। उनके लिए राष्ट्र प्रथम और सर्वोपरि है। यह उनके राष्ट्र निर्माण और देशहित में लिए गए निर्णयों और नेतृत्व क्षमता का ही परिणाम है कि आज भारत की गणना विश्व के अग्रणी राष्ट्रों में हो रही है।

उनके प्रत्येक निर्णय में राष्ट्र की नींव को सशक्त करने की झलक है। कश्मीर में धारा 370 को समाप्त करना और उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद श्रीरामलला को अपने जन्म स्थान अयोध्या में प्रतिष्ठित करने में उनकी पहल अविश्वसनीय है। उन्होंने एक राष्ट्र, एक पहचान के लिए विभाजनकारी प्रवृत्तियों को समाप्त किया और समाज में एकत्व का भाव स्थापित किया। उनका दूरदर्शी नेतृत्व आधुनिक भारत को आत्मनिर्भर, सुरक्षित, समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से गौरवशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर प्रेरित कर रहा है।

आधार ही नहीं ड्राइविंग लाइसेंस और राशन कार्ड भी फर्जी बन सकते हैं- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार चुनाव नजदीक आ रहे हैं, लेकिन राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण पर चल रही बहस थमने का नाम नहीं ले रही है। हाल ही में SIR पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड को भी वैध दस्तावेजों की फेहरिस्त में शामिल किया था, जिसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। मगर, सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया है।

दरअसल याचिका में दावा किया गया था कि लोग जाली आधार कार्ड बनवाकर नागरिकता साबित कर सकते हैं। इसपर सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि आधार कार्ड के अलावा अन्य दस्तावेज भी जाली बनाए जा सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमलया बागची की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की। अदालत के अनुसार राशन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेज भी जाली हो सकते हैं। ऐसे में सिर्फ आधार कार्ड को ही अलग नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, ड्राइविंग लाइसेंस जाली हो सकते हैं, राशन कार्ड भी जाली हो सकते हैं। अन्य दस्तावेजों को भी जाली बनाया जा सकता है। आधार का इस्तेमाल कानून द्वारा बताई गई सीमा तक ही किया जाना चाहिए।

प्रसव के बाद सास से ज्यादा मां की देखभाल होती है बेहतर, सास-बहू संबंधों पर शोध में दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशी-विदेशी तीन संस्थाओं की रिसर्च रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बच्चे को जन्म देने के बाद अपनी मां की जगह सास की देखरेख में रहनेवाली बहुओं के स्वस्थ होने की संभावना 16 प्रतिशत तक कम रहती है।

रिपोर्ट में ये भी पाया गया कि एक तिहाई प्रसूताओं को अपने या शिशु के बारे में निर्णय लेने की छूट नहीं मिलती। अमेरिका की कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, योसएड इनोवेशन फाउंडेशन और भारत की नूरा हेल्थ के संयुक्त अध्ययन की रिपोर्ट पीएलओएस वन जर्नल में प्रकाशित की गई है।

सितंबर 2018 से मई 2020 के बीच चार राज्यों के 28 जिलों में बच्चों को जन्म देनेवाली 18,436 महिलाओं से बातचीत की गई, लेकिन प्रसव के महीनेभर बाद 551 प्रसूता व तीमारदार के जोड़े के डाटा का विश्लेषण करके रिपोर्ट तैयार की गई। अध्ययन में एक तिहाई मामले में नई मांओं ने स्वीकार किया शिशु की देखभाल और अपने बारे में निर्णय लेने में उनकी भी राय ली गई। दो तिहाई महिलाओं पर निर्णय थोपा गया।

ये फिल्म नहीं, रियल सीन है... बेटी ने की इंटरकास्ट शादी, तो घरवालों से ससुराल से ही कर लिया किडनैप

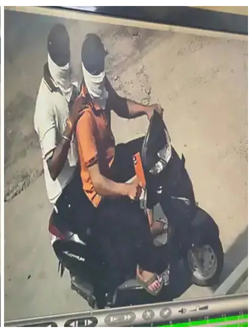

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के गांधीनगर से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक युवती ने अपनी जाति से बाहर जाकर शादी कर ली, तो उसके परिवारवालों ने उसे ससुराल से ही अगवा कर लिया। इसके लिए बाकायदा घर के लोग अलग-अलग गाड़ियों पर सवार होकर आए थे।

जब लड़की के पति और ससुराल के अन्य लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की, तो मायकेवालों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। ये पूरा वाकया सीसीटीवी में कैद हो गया। बताया जा रहा है कि युवती के परिजनों को ये रिश्ता मंजूर नहीं था। इस कारण उन्होंने ऐसी घटना का अंजाम दिया।

पति के साथ रहना चाहती थी आयुषी- मामला गांधीनगर के देहगाम का है। यहां रहने वाले रवि और आयुषी पिछले करीब 1.5 साल से रिलेशनशिप में थे। आयुषी के घर वाले इस रिश्ते के लिए राजी नहीं थे, क्योंकि दोनों अलग-अलग जातियों से थे। 8 महीने पहले दोनों पक्षों के बीच हंगामा हुआ था और बात थाने तक गई थी। इस दौरान आयुषी ने अपने पति के साथ जाने की बात कही। रवि और आयुषी दोनों पिछले दो महीने से देहगाम की शाही कुटीर सोसाइटी स्थित अपने घर में रह रहे थे। रविवार दोपहर करीब 2ः30 बजे आयुषी के मामा कांजीभाई रबारी समेत 7 लोग दो एसयूवी और एक स्कूटी पर लाठी-डंडों से लैस होकर पहुंचे। उन्होंने पहले आयुषी को साथ भेजने को कहा। जब आयुषी ने इससे मना कर दिया, तो वे जबरदस्ती घर में घुस गए।

कुमार विश्वास की पत्नी मंजू शर्मा का इस्तीफा मंजूर, अब नहीं रहेंगी राजस्थान लोक सेवा आयोग की सदस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर कवि कुमार विश्वास की पत्नी मंजू शर्मा ने राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य पद से इस्तीफा दिया था। वहीं, अब 16वें दिन राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया है। राजस्थान पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती 2021 में पेपर लीक मामले के चलते मंजू शर्मा ने अपना पद छोड़ा है।

कुमार विश्वास की पत्नी ने 1 सितंबर 2025 को राज्यपाल के सामने अपने इस्तीफे की पेशकश की थी। राज्यपाल ने इस्तीफे को मंजूरी दे दी है, जिसके साथ ही मंजू शर्मा अब राजस्थान लोक सेवा आयोग की सदस्य नहीं रहेंगी।

राजस्थान पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 2021 में पेपर लीक मामला हाईकोर्ट में पहुंचा था। इस दौरान हाईकोर्ट ने राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्यों पर टिप्पणी की थी, जिसके बाद मंजू शर्मा ने अपना पद छोड़ने का फैसला लिया था। पेपर लीक मामले में राजस्थान लोक सेवा आयोग के एक सदस्य बाबूलाल कटारा को पहले ही पद से हटाया जा चुका है। कटारा को निलंबित करने का प्रस्ताव अभी राष्ट्रपति के पास विचाराधीन है। इस प्रस्ताव को अभी तक मंजूरी नहीं मिली है। वहीं, मंजू शर्मा के इस्तीफे के बाद आयोग में 4 सदस्य ही बचे हैं। राजस्थान लोकसभा आयोग में कुल 10 सदस्य होते हैं। मगर, अब आयोग में 6 पद खाली हो गए हैं। कुमार विश्वास की पत्नी मंजू शर्मा को 2020 में कांग्रेस सरकार ने आयोग का सदस्य बनाया था।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, राजनीतिक दलों को POSH एक्ट के दायरे से बाहर रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिलाओं के लिए सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करने वाला POSH एक्ट अब राजनीतिक दलों पर लागू नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को यौन उत्पीड़न से बचाने वाले कानून के दायरे में लाने की मांग थी। अदालत ने साफ कहा कि राजनीतिक दल कार्यस्थल की परिभाषा में नहीं आते और न ही उनके और उनके कार्यकर्ताओं के बीच नियोक्ता-कर्मचारी का रिश्ता है। यह फैसला उन महिलाओं के लिए झटका है जो गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में काम करती हैं। याचिकाकर्ता के वकील योगमाया एमजी ने केरल हाई कोर्ट के मार्च 2022 के फैसले को चुनौती दी थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की वर्ष 2025 की शानदार शुरुआत, सिर्फ 15 दिनों में विजन को हकीकत में बदला

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई परिवर्तनकारी पहलों के साथ वर्ष 2025 की शुरुआत की है। यह एक प्रगतिशील, आत्मनिर्भर और एकजुट भारत के लिए उनके दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है। बुनियादी ढांचे और वैज्ञानिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने से लेकर युवाओं को सशक्त बनाने और भारत की सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाने तक, उनके नेतृत्व ने आने वाले एक उल्लेखनीय वर्ष के लिए माहौल तैयार किया है।

वर्ष की पहली कैबिनेट बैठक के दौरान किसानों के कल्याण पर जोर देने के साथ 2025 की शुरुआत हुई। सरकार ने किसानों के लिए किफायती उर्वरक मूल्य सुनिश्चित करते हुए डाइ-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) के लिए एकमुश्त विशेष पैकेज के विस्तार को मंजूरी दी। यह निर्णय भारत की कृषि और किसानों को मज़बूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने उसी दिन गायक-अभिनेता दिलजीत दोसांझ और शतरंज ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी जैसे सांस्कृतिक आइकन से मुलाकात की, जो कला, खेल और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने पर उनके ध्यान को रेखांकित करता है।

3 जनवरी को पीएम मोदी ने दिल्ली में इन-सीटू स्लम रिहैबिलिटेशन प्रोजेक्ट के तहत 1,675 नवनिर्मित फ्लैट लाभार्थियों को सौंपे। इससे हज़ारों परिवारों के लिए रहन-सहन की बेहतर स्थिति सुनिश्चित हुई। उन्होंने 600 करोड़ रुपये से ज्यादा की तीन परिवर्तनकारी शैक्षणिक परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। इनमें सूरजमल विहार में पूर्वी परिसर, द्वारका में पश्चिमी परिसर और नजफ़गढ़ में वीर सावरकर कॉलेज शामिल हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य शैक्षणिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाना और भावी पीढ़ियों को प्रेरित करना है।

4 जनवरी को ग्रामीण भारत महोत्सव के दौरान ग्रामीण विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता केंद्र में रही। इसमें जीआई-प्रमाणित ग्रामीण उत्पादों को बढ़ावा दिया गया और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया गया। यह पहल ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने और इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करने के लक्ष्य के अनुरूप है। इस बीच, पीएम मोदी ने माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला सहित वैश्विक तकनीकी नेताओं के साथ बातचीत की, जिन्होंने भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में 3 बिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा की।

अफरीदी का राहुल प्रेम... भारत को बताया अगला इजरायल; बौखलाए पाक क्रिकेटर ने बेतूके बयानों की लगाई झड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी एक बार फिर भारत को लेकर अनाप-शनाप बयान दिया है। अफरीदी ने मोदी सरकार पर हिन्दू-मुस्लिम कार्ड खेलने का बेतूका बयान देते हुए उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तारीफ की है।

एशिया कप 2025 के दौरान हाथ न मिलाने के विवाद पर भी उन्होंने भारतीय टीम और BCCI पर भी बयान दिया है। अफरीदी ने पाकिस्तानी न्यूज चैनल पर कहा कि भारत की मौजूदा सरकार धर्म के नाम पर राजनीति करती है। उनका दावा था कि भाजपा सत्ता में रहेगी तो ऐसी राजनीति चलती रहेगी।

अफरीदी ने राहुल की तारीफ की- उन्होंने इस दौरान भारत को लेकर कहा कि भारत अगला इजरायल बनने की कोशिश कर रहा है। इसके विपरीत उन्होंने राहुल गांधी की सोच को सकारात्मक बताया। अफरीदी ने कहा कि राहुल संवाद चाहते हैं और सभी को साथ लेकर चलना चाहते हैं।

हालांकि, अफरीदी के बयान को लेकर खुद सवाल खड़े हो रहे हैं क्योंकि पाकिस्तान खुद आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोपी रहा है। भारत का रुख साफ रहा है कि पाकिस्तान से बातचीत तभी होगी जब वह आतंकवाद से दूरी बनाएगा।

भारतीय खिलाड़ियों ने नहीं मिलाया हाथ- एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला रविवार को हुआ था। मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। यह फैसला अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए 26 निर्दोष लोगों के समर्थन में लिया गया।

भारतीय फैंस पहले से ही पाकिस्तान से खेलने के खिलाफ थे, लेकिन BCCI ने सरकारी नीति के तहत मैच खेला।

ऑपरेशन सिंदूर में मसूद अजहर के परिवार के टुकड़े-टुकड़े हो गए, जैश कमांडर का कबूलनामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर का दर्द पाकिस्तान और आतंकवादियों के मन में अब भी बैठा है। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के महीनों बाद जैश-ए-मोहम्मद के एक कमांडर ने कबूला है कि आतंकवादी संगठन के शीर्ष कमांडर मसूद अजहर के परिवार को बहावलपुर में जान गंवानी पड़ी।

इंटरनेट पर वायरल एक वीडियो में जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी को यह बताते हुए सुना जा सकता है कि कैसे भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों में घुसकर उन पर हमला किया।

मसूद इलियास कहता है, आतंकवाद को गले लगाते हुए, हमने इस देश की सरहदों की हिफाजत की है। इसके लिए दिल्ली, काबुल और कंधार से जंग लड़ी। अपना सब कुछ कुर्बान करने के बाद 7 मई को मौलाना मसूद अजहर के परिवार को भारतीय सेना ने बहावलपुर में मार गिराया।

बहावलपुर को निशाना इसलिए बनाया गया क्योंकि यह जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है। लाहौर से लगभग 400 किलोमीटर दूर, जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह में जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय है, जिसे उस्मान-ओ-अली परिसर के नाम से भी जाना जाता है।

संयुक्त राष्ट्र की ओर से बैन आतंकवादी मसूद अजहर की तरफ से कश्मीर में जिहाद के नाम पर उकसाया जाता है।

शांति और प्रगति के रास्ते पर लौटा नेपाल, अंतरिम सरकार में इतने मंत्रियों ने ली शपथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भ्रष्टाचार और इंटरनेट मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ जेन जी के हिंसक विरोध प्रदर्शन और केपी शर्मा ओली की सरकार के इस्तीफे के बाद नेपाल शांति और प्रगति के रास्ते पर लौटने लगा है।

सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार में शामिल किए गए मंत्रियों ने पदभार संभाल लिया है। मंत्रियों के चयन में अनुभव को वरीयता दी गई है। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने सोमवार को तीनों मंत्रियों को शपथ दिलाई।

मानवाधिकार वकील और राजधानी काठमांडू के मेयर के सलाहकार रह चुके ओम प्रकाश आर्याल नेपाल के गृह मंत्री बने हैं। उन्हें विधि, न्याय एवं संसदीय कार्य मंत्रालय की जिम्मेदारी भी दी गई है। पूर्व वित्त सचिव रमेश्वर खनाल को वित्त मंत्री बनाया गया है। बिजली प्राधिकरण के पूर्व सीईओ कुलमान घिसिंग को ऊर्जा, जल संसाधन और सिंचाई, परिवहन और शहरी विकास मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। घिसिंग ने देश में लोड-शेडिंग की समस्या से निपटने में अहम भूमिका निभाई थी। शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रपति कार्यालय शीतल निवास में तंबू में आयोजित किया गया, क्योंकि हाल ही में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान शीतल निवास क्षतिग्रस्त हो गया था।

ब्रिटेन ने चीन के लिए जासूसी करने के दो आरोपितों के खिलाफ आरोप वापस लिए, नहीं मिले पुख्ता सबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन में चीन के लिए जासूसी करने के आरोपित दो लोगों पर अब मुकदमा नहीं चलेगा। आरोपितों में ब्रिटेन की संसद में कार्यरत एक पूर्व शोधकर्ता भी शामिल है।

30 वर्षीय क्रिस्टोफर कैश और 33 वर्षीय क्रिस्टोफर बेरी ने 2021 के अंत और फरवरी 2023 के बीच ब्रिटेन को ऐसी जानकारी या दस्तावेज प्रदान करके आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम का उल्लंघन करने से इन्कार किया था जो किसी दुश्मन के लिए उपयोगी और ब्रिटेन की सुरक्षा या हितों के लिए हानिकारक हो सकते थे।

चीनी खुफिया एजेंट होने का था संदेह- आरोपितों पर एक-दूसरे और एक ऐसे व्यक्ति के संपर्क में रहने का आरोप था, जिस पर चीनी खुफिया एजेंट होने का संदेह था। इन लोगों पर अगले महीने लंदन के केंद्रीय आपराधिक न्यायालय में मुकदमा चलाया जाना था, लेकिन अभियोजकों ने सोमवार को कहा कि मामला आगे नहीं बढ़ सकता।

क्राउन प्रासिक्यूशन सर्विस ने एक बयान में कहा कि इस मामले में सुबूतों की लगातार समीक्षा की जा रही है और अब यह तय हो गया है कि आरोपित अपराध के लिए साक्ष्य पूरे नहीं हुए हैं। अब कोई और सुबूत पेश नहीं किया जाएगा।

हमने दूसरी बार हमला किया..., डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के जहाज पर क्यों दिया स्ट्राइक का आदेश?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले दो हफ्तों में अमेरिका ने वेनेजुएला पर दूसरी बार स्ट्राइक कर दी है। इसकी हमले की पुष्टि खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की है। ट्रंप का कहना है कि अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला से आने वाली एक ड्रग्स से भरे जहाज को निशाना बनाया है। इस जहाज में 3 लोग सवार थे।

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए इस स्ट्राइक की जानकारी दी है। उनका कहना है कि यह जहाज वेनेजुएला की सीमा से बाहर अंतरराष्ट्रीय समुद्र में था।

ट्रंप ने हमले पर लगाई मुहर- डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, ÷आज सुबह मेरे आदेश पर ऐरिकी सेना ने दूसरी स्ट्राइक की है। यह स्ट्राइक साउथकॉम क्षेत्र में नार्कोड्रग्स लेकर आ रहे एक जहाज पर की गई है, जो अवैध ड्रग तस्करी के जरिए नियमों का उल्लंघन कर रहा था।

जहाज में मौजूद ड्रग्स अमेरिका की आंतरिक सुरक्षा, विदेश नीति और हमारे हितों के लिए खतरा हो सकते थे। ट्रंप ने अपनी पोस्ट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें समुद्र में मौजूद एक जहाज में आग लगती दिखाई दे रही है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला पर निशाना साधा है।

2 सितंबर को ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय समुद्र में मौजूद वेनेजुएला के एक और जहाज पर स्ट्राइक करने का आदेश दिया था। इस हमले में 11 लोग मारे गए थे। ट्रंप ने इस जहाज में भी ड्रग्स होने की आशंका जताई थी। वहीं, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने अमेरिकी सेना के हमले को गैर-कानूनी बताते हुए इसकी आलोचना की थी।

सबसे ज्यादा खतरनाक अखबार..., न्यूयॉर्क टाइम्स पर 15 बिलियन डॉलर का मानहानि केस क्यों करने जा रहे हैं ट्रंप?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी समाचार चैनल द न्यूयॉर्क टाइम्स के खिलाफ केस दर्ज करने की धमकी दी है। ट्रंप ने NYT पर 15 बिलियन डॉलर (लगभग 1.321 लाख करोड़ रुपये) का मानहानि का मुकदमा करने वाले हैं।

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी दी है। ट्रंप का कहना है कि NYT रेडिकल लेफ्ट डेमोक्रेटिक पार्टी का वर्चुअल माउथपीस है और दशकों से ट्रंप के खिलाफ झूठे अभियान चला रहा है।

ट्रंप का फूटा गुस्सा- डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, आज द न्यूयॉर्क टाइम्स के खिलाफ 15 बिलियन डॉलर का मानहानि का मुकदमा किया है। ये अमेरिका के सबसे घटिया अखबारों में से एक है, जो अब रेडिकल डेमोक्रैट पार्टी का वर्चुअल माउथपीस बन गया है।

डोनाल्ड ट्रंप के अनुसार, NYT ने मेरे, मेरे परिवार, बिजनेस, MAGA (Make America Great Again) अभियान और पूरे देश के खिलाफ अनगिनत गलत खबरें फैलाई हैं।

NYT पर पहले भी लगे आरोप- ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी ने पहले ही अखबार पर कमला हैरिस को समर्थन देने का आरोप लगाया था। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान डेमोक्रैट पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस की तस्वीर अक्सर अखबार के पहले पन्ने पर छपती थी, जिसपर रिपब्लिकन पार्टी ने सवाल खड़े करते हुए इसे अब तक का सबसे बड़ा अवैध अभियान बताया था।

भारतीय टीम के No Handshake पर बिलबिलाया पाकिस्तान, ख्वाजा आसिफ को अब भी सता रहा ऑपरेशन सिंदूर का डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप के एक रोमांचक मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराकर जीत अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान अब इस हार को बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है। इस हार ने एक बार फिर से ऑपरेशन सिंदूर से मिले उसके जख्मों को ताजा कर दिया है।

इस मैच के बाद भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया है। इंडियन टीम के इस कदम पर पाकिस्तान को अब ऑपरेशन सिंदूर में मिली करारी हार याद आ रही है।

पाक रक्षा मंत्री को फिर ऑपरेशन सिंदूर की आई याद- पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत के इस कदम को शर्मनाक बताते हुए अपना खीझ उतारा। उन्होंने कहा, मई के संघर्ष में भारत की हुई हार और अंतरराष्ट्रीय अपमान सहना पड़ा, इसे इस तरह के सस्ते नाटकों से नहीं मिटाया जा सकता।

उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तानी सेना ने छह भारतीय विमानों को मार गिराया था और ये जख्म ऐसे कदमों से नहीं भर सकते। गौरतलब है कि पाकिस्तान को करारी शिकस्त देने के बाद भारतीय टीम बिना किसी से हैंडशेक किए अपने ड्रेसिंग रूम में लौट गई थी। इसके बाद से पाकिस्तान खुद को जलील हुआ सा महसूस कर रहा है।

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जले पर छिड़क दिया नमक- एक तरफ तो भारत ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया, उसके बाद भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्रेस के बीच ये कहा कि कुछ चीजें खेल भावना से ऊपर होती हैं।

गोल्ड का टिफिन, रूबी जड़ा कप और..., हैदराबाद के निजाम की कीमती चीजें कैसे हुईं चोरी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसी जमाने में निजाम की शान-ओ-शौकत का गवाह रहा हैदराबाद आज भी देश में खूबसूरती की मिसाल पेश करता है। बेशक अब यहां निजाम का राज नहीं है, लेकिन इतिहास के पन्नों की झलक आज भी इस शहर में देखी जा सकती है। हालांकि, हैदराबाद में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब निजाम म्यूजियम की चोरी की खबर सामने आई।

यह घटना आज से ठीक 4 साल पहले की है। 3 सितंबर 2018 की रात को 2 चोर पुरानी हवेली में मौजूद निजाम म्यूजियम में घुसे और कई कीमती चीजों को लेकर रफूचक्कर हो गए।

म्यूजिमय से क्या-क्या चोरी हुआ- निजाम म्यूजियम में एक बेहद कीमती सोने का टिफिन बॉक्स था, जिसे चुरा लिया गया। इसके अलावा रूबी जड़ा कप, सॉसर और सोने के चम्मच जैसी चीजें निजाम म्यूजियम से रातों रात गायब हो गईं। चोर इतने शातिर थे कि उन्होंने सीसीटीवी कैमरा भी घुमा दिया, जिससे यह घटना कैमरे में भी कैद नहीं हो सकी।

1. सोने के बेशकीमती टिफिन बॉक्स का वजन 2 किलोग्राम था। इस टिफिन पर रूबी और हीरे जड़े थे।

2. यह टिफिन बॉक्स हैदराबाद के सातवें निजाम मीर ओसमान अली खान का था, जिन्होंने 1911 से 1948 तक शासन किया था।

3. यह टिफिन बॉक्स हैदराबाद की पुरानी हवेली में बने निजाम म्यूजियम में मौजूद था।

4. निजाम के खजाने पर स्टडी करने वाले इतिहासकार सैफुल्ला के अनुसार, जब यह गोल्ड टिफिन बॉक्स चोरी हुआ, तो उसकी कीमत 60 लाख रुपये थी।

5. निजाम म्यूजियम से चोरी हुई सभी चीजों की कीमत 1 करोड़ रुपये से भी अधिक थी।

शिक्षक पति-पत्नी 25 साल से नहीं गए स्कूल, हर महीने ले रहे थे सैलरी; ऐसे खुली पोल

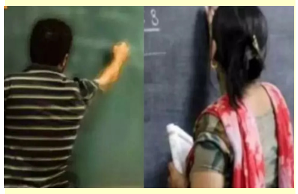

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के बारां जिले में एक शिक्षक दंपती 25 वर्ष से बिना स्कूल गए ही वेतन ले रहा था, जिसका अब पर्दाफाश हुआ है। मामला सामने आने के बाद सरकार अब इस शिक्षक दंपती से कुल नौ करोड़ 31 लाख 50 हजार 373 रुपये की वसूली करने की तैयारी कर रही है।

राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के निर्देश पर विभाग ने दंपती को अंतिम सार्वजनिक नोटिस दिया है। नोटिस के बावजूद वे अगर उपस्थित नहीं होते हैं, तो उनकी संपति नीलाम करने की कार्रवाई हो सकती है।

बारां शिक्षा अधिकारी सीताराम गोयल के अनुसार, दंपती को तलाशा जा रहा है। उनसे पैसे की वसूली होगी।

3 डमी शिक्षक रखे- जानकारी के अनुसार दंपती विष्णु गर्ग और उनकी पत्नी मंजू गर्ग पिछले 25 साल से बारां के राजपुरा प्राथमिक स्कूल में तैनात हैं। दंपती पिछले 20 साल से खुद के स्थान पर तीन डमी शिक्षक स्कूल में पढ़ाने के लिए भेज रहे हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों से मिलीभगत करके दंपती ने खुद के स्थान पर 15-15 हजार रुपये में तीन डमी शिक्षक रखे थे। ये तीनों शिक्षक दंपती के स्थान पर स्कूल में पढ़ा रहे थे।

रेलवे स्टेशन पर लगी भीषण आग से मचा हड़कंप, 2 घंटे तक ठप रही ट्रेनों की आवाजाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के एक स्टेशन पर आग लगने के कारण स्थानीय ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हो गई थी। दक्षिण-पश्चिम कोलकाता के संतोषपुर रेलवे स्टेशन पर मौजूद एक दुकान में अचानक आग लग गई, जिसका असर ट्रेनों पर भी देखने को मिल रहा था।

अधिकारियों के अनुसार, आग सुबह 7:21 बजे लगी था। इससे सियालदा-बज लाइन का रूट बंद हो गया था और सभी लोकल ट्रेनों को रोक दिया गया था।

2 घंटे बाद शुरू हुआ रूट- आग ने कुछ ही देर में रेलवे स्टेशन पर मौजूद कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया था। पूर्वी रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पा लिया गया है।

सुबह लगभग 9:30 तक आग पूरी तरह से बुझ गई। इस घटना में किसी की जानमाल की हानि नहीं हुई है। हालांकि, आग क्यों और कैसे लगी? इसकी वजह अभी तक सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भीमा-कोरेगांव मामले में महेश राउत को अंतरिम जमानत, किस आधार पर मिली राहत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एल्गार परिषद-भीमा कोरेगांव मामले के आरोपी महेश राउत को चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत दे दी।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ महेश राउत की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बावजूद उन्हें जेल में रखे जाने को चुनौती दी थी।

रूमेटाइड अर्थराइटिस से पीड़ित महेश राउत- शीर्ष अदालत ने राउत की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सी यू सिंह के इस तर्क पर गौर किया कि आरोपी रूमेटाइड अर्थराइटिस से पीड़ित है।

पीठ ने कहा, आवेदक चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत मांग रहा है और इस तथ्य को भी ध्यान में रखते हुए कि उसे वास्तव में (बॉम्बे उच्च न्यायालय द्वारा) जमानत दी गई थी, हम छह सप्ताह की अवधि के लिए चिकित्सा जमानत देने के पक्ष में हैं।

हाईकोर्ट ने महेश राउत की जमानत याचिका स्वीकार कर ली, लेकिन राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अनुरोध पर अपने ही आदेश पर एक हफ्ते के लिए रोक लगा दी।

विशेष चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता- इसके बाद शीर्ष अदालत ने मामले में उनकी रिहाई पर लगी रोक को बढ़ा दिया। राउत के वकील ने पहले कहा था कि कार्यकर्ता रूमेटाइड अर्थराइटिस से पीड़ित हैं और उन्हें विशेष चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता है जो जेल या जेजे अस्पताल में उपलब्ध नहीं है, जहां उनकी जांच की गई है।

सड़कें बहीं, पुल टूटे... देहरादून के सहस्त्रधारा, मालदेवता और टपकेश्वर मंदिर में सैलाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के मशहूर सहस्त्रधारा में भारी बारिश के बाद देर रात में बादल फटने की घटना हुई है। हादसे के बाद कई दुकानें बह गई हैं।

हालांकि जिला प्रशासन ने स्थानीय लोगों को सुरक्षित इलाके में पहुंचा दिया है। इसके अलावा अब भी रेस्क्यू का काम चल रहा है। इस हादसे में कम से कम दो लोग लापता हैं।

सभी स्कूल बंद, सीएम धामी की हालात पर नजर- जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, भारी बारिश और बादल फटने की घटना को देखते हुए देहरादून में कक्षा 1 से 12 तक के सभी स्कूल फिलहाल बंद हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि वह स्थानीय प्रशासन के लगातार संपर्क में हैं और स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट किया, ÷देहरादून के सहस्त्रधारा में कल देर रात भारी बारिश के कारण कुछ दुकानें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। जिला प्रशासन, एसडीआरएफ और पुलिस मौके पर पहुँच गए हैं और राहत एवं बचाव कार्यों में लगे हुए हैं। मैं इस संबंध में स्थानीय प्रशासन के लगातार संपर्क में हूं और व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नज़र रख रहा हूं।

पीएम और गृह मंत्री ने हालात का लिया जायजा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फ़ोन पर बात करके उत्तराखंड में भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति की विस्तृत जानकारी ली।

उन्होंने हर संभव सहायता का आश्वासन दिया और इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार संकट की इस घड़ी में उत्तराखंड के साथ पूरी तरह खड़ी है। मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासनिक तंत्र पूरी तरह सक्रिय है और युद्धस्तर पर बचाव एवं राहत अभियान चलाया जा रहा है।

कौन है असम की अधिकारी नूपुर बोरा, जिसके घर मिला 90 लाख कैश; सीएम सरमा बोले- 6 महीने से थी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम पुलिस ने सोमवार को असम सिविल सेवा की एक अधिकारी को कथित तौर पर आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ के अधिकारियों की एक टीम ने अधिकारी नूपुर बोरा के गुवाहाटी स्थित आवास पर भी छापा मारा और 90 लाख रुपये नकद और 1 करोड़ रुपये से ज्यादा मूल्य के सोने के आभूषण जब्त किए।

सर्किल ऑफिसर के पद पर तैनात थी आरोपी- एक अन्य टीम ने बारपेटा स्थित उनके किराए के घर पर भी छापा मारा। गोलाघाट निवासी नूपुर बोरा, जो 2019 में असम सिविल सेवा में शामिल हुई, वर्तमान में कामरूप जिले के गोरोइमारी में एक सर्किल ऑफिसर के पद पर तैनात थीं।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि विवादास्पद भूमि संबंधी मामलों में कथित संलिप्तता की शिकायतों के बाद पिछले छह महीनों से उन पर नजर रखी जा रही थी।

पैसे के बदले हिंदुओं की जमीन ट्रांसफर की- उन्होंने कहा, जब वह बारपेटा राजस्व सर्किल में तैनात थीं, तब इस अधिकारी ने पैसे के बदले हिंदुओं की जमीन संदिग्ध व्यक्तियों को हस्तांतरित की थी। हमने उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। सरमा ने कहा कि अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में राजस्व मंडलों में व्यापक भ्रष्टाचार है। विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ ने उनके कथित सहयोगी, लाट मंडल सुरजीत डेका के आवास पर भी छापा मारा। डेका बारपेटा स्थित राजस्व मंडल कार्यालय में कार्यरत हैं।

उन पर बारपेटा में मंडल अधिकारी रहते हुए नूपुर बोरा के साथ मिलीभगत करके कई जमीनें हासिल करने का आरोप है।

hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
दैनिक हिन्दकुश
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागृयाम
info@jagrayam.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल दशमी

संपादकीय

दुनियां में जिसके पास प्रसन्नता, मन की शांती, संतोष भरा मन हो वो भाग्यशाली और खुश इंसान है...

दुनियां में जिसके पास प्रसन्नता, मन की शांती, संतोष भरा मन हो वो भाग्यशाली और खुश इंसान है। केवल आज की ही क्यूं वो इंसान हर दुनियां मे खुश है। महाभारत मे धर्मराज युधिष्ठिर से एक यक्षने प्रश्न पुछा के हे धर्मराज सबसे बडा सुख कौनसा है इस प्रश्न के उत्तर के स्वरूप युधिष्ठिरजी ने कहा समाधान ही सर्वोत्तम सुख है। मनुष्य के पास बहुत सारा पैसा हो अछी शादीशुदा जिंदगी हो अच्छे माता पिता हो लेकिन मन मे संतोष व प्रसन्नता न हो तो ऐसा व्यक्ती आज की या किसी भी दुनिया मे खुश नही हो सकता। आज की दुनिया मे पैसा अतिआवश्यक है। लेकीन मन का संतोष प्रसन्नता उससे भी अधिक आवश्यक है,और एक बात जो की आवश्यक है वो है आपकी सेहत, सेहत अछी हो तो व्यक्ती का जीवन आनंदमय होता है.वैसे तो कुदरत द्वारा रचित इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में रचनाकर्ता ने मानवीय जीवन में अनेक गुण दोषों को शामिल कर संजोया है, इसका उपयोग करने सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमता का भी सृजन कर दिया है। बस!! जरूरत है अब माननीय जीव को उसे गुण-दोष सुख-दुख खुशियां-गम प्रसन्नता-दुख इत्यादि का चुनाव कर अपने जीवन को सफल और असफल बनाएं उसके ऊपर है!! क्योंकि प्रसन्नता और सुख दुख भी बौद्धिक क्षमता के आधार पर माननीय जीव को खुद चुनना होता है! इसलिए आज हम इस पावन बेला पर मन की प्रसन्नता पर उसके गुणों, प्रक्रिया सुजन करने के तरीकों पर इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम प्रसन्नता की करें तो खुलकर हंसना, मुस्कुराना, प्रसन्न रहना, मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है, क्योंकि इसमें सब दुख तो नष्ट होते हैं,जीव अपने कर्म में असफल नहीं होता। बुद्धि तुरंत स्थिर रहती है। सामाजिक प्रतिष्ठा और गुणों की सुगंध दूर तक जाती है एक अलग हस्मुख व्यक्तित्व की हमारी छाया हमारे अपने परिचितों सहयोगियों पर पड़ती है। प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल खजाना है, जिसे जितना लूटाएंगे उतना ही बढ़ता चला जाएगा, खिलखिलाते चेहरे और प्रसन्नता की आंखों की चमक मनीषियों को दुर्लभ पूंजी है, क्योंकि प्रसन्नता सुकून से जीने की कुंजी है। यह खजाना तब बढ़ता है जब हम दूसरों की खुशीयों में अपनी खुशी को समाहित करते हैं। हमें छोटी-छोटी चीजों में प्रसन्नता, सुख ढूंढने की कोशिश करनी चाहिए, विश्वसनीय मन के भाव की खुशी का भाव अभूतपूर्व सफलता और दूरगामी सकारात्मक परिणाम होता है। आध्यात्मिकता, उदारता, परोपकार, सहनशीलता, सहिष्णुता इत्यादि मन की प्रसन्नता के प्रमुख स्त्रोतों में से कुछ हैं, जिनको जीवन में अपनाने की जरूरत को रेखांकित किया जा सकता है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्टीय प्रसन्नता दिवस, संयुक्त राष्ट द्वारा जारी विश्व प्रसन्नता इंडेक्स रिपोर्ट इत्यादि अन्तर्राष्टीय स्तरपर प्रसन्नता के मूल्यों की करें तो प्रसन्नता को हाई वैश्विक टॉनिक माना जाता है। प्रसन्नता दिवस मनाया जाता है अलग-अलग देशों के प्रसन्नता से रहने के क्रमांक बताए जाते हैं, परंतु बहुत हैरानी की बात है प्रसन्नता इंडेक्स में अनेक पूर्ण विकसित देशों के साथ ही भारत भी पिछड़ा हुआ है जो रेखांकित करने वाली बात है!! विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2022 में 146 देशों की रिपोर्ट के अनुसार फिनलैंड लगातार 5 वर्षों से प्रथम और डेनमार्क द्वितीय और आयरलैंड तृतीय स्थान पर है।जबकि इस रिपोर्ट में भारत 136 वी रैंक पर है याने लास्ट टॉप टेन इतनी ख़राब हालात जो आश्चर्य वाली बात है। साथियों बात अगर हम मन की प्रसन्नता के गुण एवं लाभों की करें तो, प्रसन्नता तो व्यक्ति का मानसिक गुण है, जिसे व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन के अभ्यास में लाना होता है।

वामनराव बलिराम लाखे

वामनराव बलिराम लाखे भारत की आज़ादी के लिए संघर्ष करने वाले छत्तीसगढ़ राज्य के स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। 1913 में लाखे जी ने अपना कार्य क्षेत्र सहकारी आंदोलन को बनाया था, जिससे वे जीवन पर्यन्त जुड़े रहे। सहकारिता आंदोलन के द्वारा दुःखी और शोषित किसानों की सेवा तथा सहयोग करना उनका प्रमुख उद्देश्य था। सन 1915 में रायपुर में होमरूल लीग की स्थापना की गई थी। वामनराव बलिराम लाखे जी उसके संस्थापक थे। छत्तीसगढ़ में शुरू में जो राजनीतिक चेतना फैली, उसमें लाखे जी का बहुत बड़ा योगदान था। उन्होंने अपना सारा जीवन राष्टीय आन्दोलन और सहकारी संगठन में बिताया।

जन्म- वामनराव बलिराम लाखे का जन्म 17 सितम्बर, 1872 को रायपुर, छत्तीसगढ़ में हुआ था। उनके पिता पण्डित बलीराव गोविंदराव लाखे ग़रीब व्यक्ति थे, किन्तु कठोर परिश्रम से उन्होंने कई ग्राम ख़रीद लिये थे। जब वामनराव बलिराम लाखे का जन्म हुआ, उस समय तक उनके परिवार की गणना समृद्ध घरानों में होने लगी थी।

शिक्षा- वामनराव बलिराम लाखे ने रायपुर से मैट्रिक उत्तीर्ण किया। माधवराव सप्रे भी उस समय उसी स्कूल में पढ़ते थे। दोनों में दोस्ती हो गई। सन 1900 में जब माधवराव सप्रे ने छत्तीसगढ़ मित्र नाम से मासिक पत्रिका का प्रकाशन किया तो लाखे जी उस पत्रिका के प्रकाशक थे। छत्तीसगढ़ की यह पहली पत्रिका थी। सिर्फ तीन साल तक यह पत्रिका चली, पर उन तीन सालों के भीतर ही उस पत्रिका के माध्यम से राष्टीय जागरण का युग आरम्भ हो गया था।

विवाह तथा वकालत- मैट्रिक पास होते ही वामनराव बलिराम लाखे का विवाह जानकी बाई के साथ करा दिया गया था। विवाहोपरांत वे उच्च शिक्षा हेतु नागपुर गये। सन 1904 में क़ानून की परीक्षा पास करके रायपुर में वकालत करने लगे। वकालत के साथ ही साथ उन्होंने सार्वजनिक, सामाजिक व राजनीतिक कार्यों में भाग लेना प्रारंभ कर दिया था। लाखे जी ने जब रायपुर में वकालत शुरु की तो उनका उद्देश्य था लोगों के लिए कुछ महत्वपूर्ण काम करना, ताकि उनकी दशा में सुधार हो। उनका उद्देश्य पैसे अर्जन करना नहीं था। उनकी पत्नी ने भी हमेशा उनका साथ दिया।

सहकारिता आंदोलन- वर्ष 1913 में वामनराव बलिराम लाखे ने अपना कार्यक्षेत्र सहकारी आंदोलन को बनाया, जिससे वे जीवन पर्यन्त जुड़े रहे। सहकारिता आंदोलन के द्वारा इस अंचल के दुःखी और शोषित किसानों की सेवा तथा सहयोग करना उनका प्रमुख उद्देश्य था। 1913 में ही उन्होंने रायपुर में को-आपरेटिव सेन्ट्रल बैंक की स्थापना की थी, जिसके वे 1936 तक अवैतनिक सचिव के पद पर रहकर कठोर परिश्रम तथा निष्ठा के साथ कार्य करते रहे और संस्था को उन्नति के सर्वोच्च शिखर तक पहुंचा दिया। 1937 से 1940 तक वे इस संस्था के अध्यक्ष पद पर रहे। उनके प्रयास से ही 1930 में बैंक का अपना स्वयं का भवन बनाया गया था।

पत्रिका छत्तीसगढ़ मित्र- छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता का इतिहास 120 साल पुराना है। उस युग में आज की तरह कम्प्यूटरों और अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रिंटिंग प्रेस थे और न ही इंटरनेट और मोबाइल फोन जैसे तीव्र गति के संचार उपकरण। सुविधाविहीन उस युग में छत्तीसगढ़ जैसे इलाके में और इस इलाके के पेंड्रा जैसे आदिवासी बहुल पिछड़े अंचल से हिन्दी मासिक पत्रिका छत्तीसगढ़ मित्र का प्रकाशन एक बड़ी ऐतिहासिक घटना थी। जनवरी 1900 में प्रारंभ यह छत्तीसगढ़ की पहली मासिक पत्रिका थी, जिसके माध्यम से राज्य में पत्रकारिता की बुनियाद रखी गयी।

पंडित वामनराव बलीराम लाखे इस पत्रिका के प्रकाशक थे। सुप्रसिद्ध साहित्यकार पंडित माधवराव सप्रे और उनके सहयोगी रामराव चिंचोलकर छत्तीसगढ़ मित्र के सम्पादक थे। यह मासिक पत्रिका रायपुर के एक प्रिंटिंग प्रेस में छपती थी। सम्पादन का मुख्य दायित्व सप्रे जी निभाते थे। स्वतंत्रता संग्राम के उस दौर में छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में साहित्य और पत्रकारिता के माध्यम से राष्टीय चेतना का विकास इस पत्रिका के प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य था। हालांकि आर्थिक समस्याओं के कारण इसका प्रकाशन सिर्फ तीन साल तक हो पाया, लेकिन उस जमाने में छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के इतिहास का पहला अध्याय छत्तीसगढ़ मित्र के माध्यम से लिखा गया। इसमें प्रकाशक के रूप में वामन बलीराम लाखे की भी बड़ी भूमिका थी।

कर्मठता और संगठन क्षमता - पूरे देश में आज़ादी के आंदोलन की तरंगें उमड़ रही थीं। लाखेजी ने उन दिनों यहाँ के किसानों को संगठित कर सहकारिता आंदोलन का भी शंखनाद किया। राजधानी रायपुर का 107 साल पुराना जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक और बलौदा बाजार स्थित 75 वर्ष पुराना सहकारी किसान राइस मिल लाखेजी की यादगार कर्मठता और संगठन क्षमता की निशानियां हैं। उन्होंने वर्ष 1913 में रायपुर में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक और वर्ष 1945 में बलौदा बाजार में सहकारी किसान राइस मिल की स्थापना की। राजधानी रायपुर के एक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का नामकरण उनके नाम पर किया गया है, जो विगत कई दशकों से सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। महात्मा गांधी के आह्वान पर लाखेजी 1920 में अंग्रेज़ हुकूमत के खिलाफ असहयोग आंदोलन से जुड़ गए।

स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका- वर्ष 1941 में व्यक्तिगत सत्याग्रह के दौरान उन्हें सिमगा में गिरफ्तार किया गया और चार महीने की कैद की सजा हुई। तब वह 70 साल के थे। उन्हें नागपुर जेल में रखा गया था। इसके पहले आरंग की एक आम सभा में लाखेजी ने अंग्रेजों की हुकूमत को गुण्डों का शासन बताते हुए कहा कि अब इस विदेशी सरकार को ज़्यादा समय तक हम नहीं चलने देंगे। उन्होंने आम सभा में जनता से इसके लिए आज़ादी के आन्दोलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। इस पर 25 जून 1930 को ब्रिटिश सरकार ने उन्हें गिरफ़्तार कर लिया। लाखेजी को एक साल की सजा सुनाई गयी और 300 रुपए का अर्थदण्ड भी लगाया गया। उन्हें नागपुर जेल में रखा गया था।

स्वर्गीय श्री हरि ठाकुर ने अपने ग्रन्थ छत्तीसगढ़ गौरव गाथा में लिखा है- सन 1922 में रायपुर में जिला राजनीतिक परिषद का आयोजन किया गया था। लाखेजी इस परिषद के प्रमुख आयोजकों में से थे। उसी वर्ष लाखेजी रायपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उन्होंने कांग्रेस संगठन को रायपुर जिले में सुदृढ करने के लिए कठोर परिश्रम किया। सन 1924 में लाखेजी ने कांग्रेस संगठन के भीतर छत्तीसगढ़ को पृथक प्रदेश का दर्जा देने की मांग की, जो प्रांतीय कांग्रेस द्वारा अमान्य कर दी गयी। रायपुर जिले में कांग्रेस संगठन की नींव रखने वाले, राष्टीय जागरण के पुरोधा के रूप में लाखेजी का स्थान सर्वोपरि है। वे इस जिले में सहकारिता आंदोलन के पितामह थे। यह भी उल्लेखनीय है कि लाखे जी दो बार रायपुर नगर पालिका के निर्वाचित अध्यक्ष रह चुके थे।

रायसाहब की उपाधि- सन 1915 में रायपुर में होमरूल लीग की स्थापना की गई थी। लाखे जी उसके संस्थापक थे। छत्तीसगढ़ में शुरू में जो राजनीतिक चेतना फैली थी, उसमें लाखे जी का बहुत बड़ा योगदान था। उन्होंने अपना सारा जीवन राष्टीय आन्दोलन और सहकारी संगठन में बिताया। 1915 में बलौदा बाज़ार में किसान को-आपरेटिव राइस मिल की स्थापना उन्होंने की थी। लाखे जी को अंग्रेज़ हुकूमत ने किसानों की सेवाओं के लिए 1916 में रायसाहब की उपाधि दी थी।

खादी का प्रचार- सन 1921 में माधवराव सप्रे ने रायपुर में राष्टीय विद्यालय की स्थापना की। उस विद्यालय के मंत्री लाखे जी बने। लाखे जी खादी का प्रचार करने लगे। 1921 में अक्टूबर के महीने में रायपुर में ÷खादी सप्ताह÷ मनाया गया था, जिसके प्रमुख संयोजकों में से एक थे लाखे जी। न जाने कितने लोग उस वक्त उत्साह के साथ खादी पहनने लगे थे। 1922 में वामनराव बलिराम लाखे रायपुर ज़िला कांग्रेस के अध्यक्ष निर्वाचित हुए और इसी समय में उन्होंने नियमित खादी वस्त्र पहनने का संकल्प लिया तथा विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का संकल्प लिया।

पांच पाण्डव- 1930 में जब महात्मा गाँधी ने आन्दोलन शुरू किया तो रायपुर में इस आन्दोलन का नेतृत्व वामनराव बलिराम लाखे, ठाकुर प्यारेलाल सिंह, मौलाना रउफ़, महंत लक्ष्मीनारायण दास और शिवदास डागा कर रहे थे। ये पांचों रायपुर में स्वाधीनता के आन्दोलन में पांच पाण्डव के

दिवाली से पहले सरकारी कर्मचारियों को मिलेगा तोहफा, कितनी बढ़ जाएगी सैलरी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी कर्मचारियों को दिवाली से पहले सरकार की ओर से बड़ा तोहफा मिल सकता है। सरकारी कर्मचारी लंबे समय से DA Hike का इंतजार कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो दिवाली से पहले सरकार महंगाई भत्ता में इजाफा कर सकती है।

महंगाई भत्ता बढ़ने से सैलरी में भी बढ़ोतरी होती है।

कितना बढ़ेगा महंगाई भत्ता- मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इस बार महंगाई भत्ते में 3 फीसदी से 4 फीसदी तक इजाफा हो सकता है। अभी महंगाई भत्ता 55 फीसदी दर्ज किया गया है। इस हिसाब से महंगाई भत्ता 58% या 59%हो सकता है।

अब जानते है कि इस हिसाब से सैलरी में कितनी बढ़ोतरी आ सकती है।

कितना होगा सैलरी में इजाफा- बेसिक सैलरी यानी 18 हजार रुपये में 540 रुपये की बढ़ोतरी और बेसिक पेंशन यानी 9000 रुपये में 270 रुपये की बढ़ोतरी हो सकती है। इसे लेकर अंतिम फैसला कैबिनेट द्वारा सितंबर से अक्टूबर के बीच लिया जाएगा।

कैसे होता है महंगाई भत्ता निर्धारित- महंगाई भत्ता कैलकुलेट करने के लिए CPI-IW से जुड़ा एक फॉर्मूला का इस्तेमाल किया जाता है। अगर AICPI- IW में वृद्धि होती है, तो इसका मतलब है कि महंगाई भत्ता भी बढ़ेगा। वहीं अगर इसमें गिरावट दर्ज की जाती है, तो महंगाई भत्ता में कमी आएगी।

कितना बढ़ रहा है AICPI- IW- Labour bureau की वेबसाइट से मिले आंकड़ों की मानें तो मार्च से ही इसमें वृद्धि देखी जा रही है।

मार्च 2025 में CPI- IW, 143 दर्ज किया गया, फिर अप्रैल 2025 में ये 143.5 दर्ज किया गया। इसके बाद मई 2025 में ये 0.5 बढ़कर 144 हो गया ।

क्या होता है महंगाई भत्ता- बढ़ती महंगाई से निपटने के लिए हर कर्मचारी को बेसिक सैलरी के साथ महंगाई भत्ता दिया जाता है। ये हर साल दो बार रिवाइज किया जाता है। इसमें कितनी बढ़ोतरी या गिरावट करनी है, वे मौजूदा समय में चल रही महंगाई के आधार पर तय होता है। इसे कैलकुलेट करने के लिए CPI-IW का आंकड़ा लिया जाता है।

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड वार्ता का नया दौर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के मुख्य वार्ताकारों के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत मंगलवार सुबह एक बार फिर शुरू हो गई। दक्षिण और मध्य एशिया के लिए अमेरिकी के सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच अमेरिकी टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। वाणिज्य मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल भारत के मुख्य वार्ताकार हैं।

लिंच इस एक दिवसीय वार्ता के लिए सोमवार देर रात भारत पहुंचे। अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान पर 7 अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क और 27 अगस्त से 25 प्रतिशत जुर्माना लगाए जाने के बाद किसी उच्च पदस्थ अमेरिकी व्यापार अधिकारी का यह पहला दौरा है। रूसी तेल खरीदने के कारण लगा टैरिफ मुख्य बाधा

थिंकटैंक GTRI का कहना है कि इस बातचीत में रूस से तेल खरीदने के कारण लगाया गया शुल्क मुख्य बाधा है। जब भारत पर 25 प्रतिशत का शुल्क लगाया गया था, तब बातचीत चल रही थी और उम्मीद थी कि इसे घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया जाएगा। इसके बजाय वॉशिंगटन ने भारत पर 25 प्रतिशत जुर्माना लगाकर विवाद को और बढ़ा दिया। यही नहीं, 4 सितंबर को ट्रंप प्रशासन ने निचली अदालत द्वारा रद्द किए गए शुल्क को बहाल करने के लिए अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में एक अपील दायर की। उसमें विभिन्न देशों को दंडित करने के अधिकार को बनाए रखने के औचित्य के लिए भारत की तेल खरीद का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया।

ये टायर कंपनी बनी टीम इंडिया की नई स्पॉन्सर, खिलाड़ियों की जर्सी पर होगा इसका नाम, हर मैच के लिए देगी 4.5 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन क्रिकेट टीम की जर्सी की स्पॉन्सर अब अपोलो टायर्स होगी। कंपनी ने ऐलान किया है कि उसने 2027 तक के स्पॉन्सर राइट्स सिक्योर कर लिए हैं। अपोलो टायर्स ने प्रायोजक बनने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के साथ यह डील की है। दरअसल, ड्रीम 11 के साथ कॉन्ट्रेक्ट खत्म होने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम इंडिया की जर्सी के लिए नए स्पॉन्सर को चुना है।

प्रायोजक बनने के लिए हुए इस करार के तहत अपोलो टायर्स, बीसीसीआई को प्रति मैच 4.5 करोड़ रुपये का भुगतान करेगा, जो ड्रीम11 के पहले के 4 करोड़ रुपये के योगदान से कहीं अधिक है। भारत के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर को देखते हुए, इस साझेदारी से टायर निर्माता को वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण पहचान मिलेगी।

ड्रीम 11 ने क्यों छोड़ी स्पॉन्सरशिप- फिलहाल, एशिया कप में टीम इंडिया की जर्सी के लिए कोई प्रायोजक नहीं है, जबकि महिला टीम भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज बिना स्पॉन्सर के खेल रही है। हालांकि, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि आगामी महिला विश्व कप के लिए महिला टीम अपनी जर्सी पर नए प्रायोजक को प्रदर्शित करेगी या नहीं।

हाल ही में संसद द्वारा पारित ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम के बाद गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने के चलते ड्रीम 11 ने भारतीय क्रिकेट टीम के शीर्षक प्रायोजक के रूप में अपना बीसीसीआई से अपना करार खत्म कर दिया। इससे पहले बायजू, ओप्पो इंडिया और सहारा समेत कई अन्य कंपनियां व समूह भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी के स्पॉन्सर रह चुके हैं।

माचिस, पास्ता-नूडल्स, बर्तन से फर्नीचर तक, 22 सितंबर से सस्ते होंगे घरेलू उपयोग के 135 सामान

चाय-कॉफी और मसाले पहले से सस्ते होंगे। घर में इस्तेमाल होने वाले स्टील के बर्तन, मिट्टी के कुल्हड़-मटके, लकड़ी-बांस का फर्नीचर और माचिस भी कम कीमत में मिलेंगे।

नई दिल्ली (एजेंसी)। आपके लिए खुशखबरी है। क्योंकि, 22 सितंबर से आपकी जेब पर बोझ कम होने जा रहा है। दरअसल, सरकार ने रोज इस्तेमाल होने वाले 135 तरह के सामान पर टैक्स घटा दिया है। इनमें से 9 सामान पर तो टैक्स पूरी तरह जीरो कर दिया है। यानी आपको किचन से लेकर बाथरूम और ड्रॉइंग रूम तक के सामानों में राहत मिलने वाली है।

22 सितंबर से दूध, घी, मक्खन, पनीर, रोटी, चपाती, नमकीन, पास्ता-नूडल्स, सॉस,

सिर्फ किचन ही नहीं, पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स भी सस्ते होंगे। टूथपेस्ट, टूथब्रश, साबुन, शैम्पू, हेयर ऑयल, शेविंग क्रीम और कॉस्मेटिक सामान की कीमतें घटेंगी। वहीं बच्चों के खिलौने, बोर्ड गेम, पेंसिल, क्रेयॉन और एजुकेशनल किट अब कम दाम में मिलेंगे। बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स और गाड़ियों में भी राहत है। फ्रिज, वॉशिंग मशीन, टीवी, एसी, स्कूटर, बाइक और कार पर टैक्स कम कर दिया गया है।

100 रुपये से कम वाले इस छोटकू स्टॉक को धड़ाधड़ खरीद रहे लोग, लगा 20 फीसदी का अपर सर्किट

नई दिल्ली (एजेंसी)। माइक्रोकैप कंपनी कोठारी प्रोडक्ट्स लिमिटेड के शेयर में आज गजब की तेजी देखने को मिल रही है। ट्रेडिंग और डिस्ट्रीब्यूटर्स उद्योग से जुड़े कोठारी प्रोडक्ट्स के शेयर में 20 फीसदी का अपर सर्किट देखने को मिला है।

आज यह 78 रुपये पर खुला और 92.16 रुपये का हाई लेवल बना दिया। इसका 52 वीक हाई 111 रुपये का और लो 60.91 रुपये का है।

16 सितंबर, 2025 को 20 फीसदी उछाल के साथ इसके शेयर 92.16 पर ट्रेड

कर रहे हैं। इसके शेयर ट्रेडिंग वॉल्यूम 462,954 शेयर का है और मार्केट कैप 554.52 करोड़ है।

पिछले सप्ताह में, शेयर में 19.68% की वृद्धि हुई है, जो सेंसेक्स से काफी बेहतर प्रदर्शन है, जिसमें केवल 1.27% की वृद्धि हुई। पिछले तीन महीनों में, शेयर में 6.06% की गिरावट आई, जबकि सेंसेक्स में 5.11त्न की वृद्धि हुई। पिछले एक साल में, शेयर में 10.88% की गिरावट आई। पिछले तीन सालों में, शेयर 41.44% उछला है।

तिमाही रिजल्ट कैसा रहा- कंपनी ने 14 फ़रवरी, 2025 को 1=1 बोनस जारी करने की घोषणा की। जून 2025 (वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही) के तिमाही परिणाम 14 अगस्त, 2025 को घोषित किए गए, जिसमें समेकित शुद्ध लाभ में 303.23त्न की वृद्धि देखी गई।

कोठारी समूह के बारे में- कोठारी प्रोडक्ट्स लिमिटेड, समूह की एक प्रमुख कंपनी है जो एक सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी है, जिसका गठन 17 सितंबर 1983 को हुआ था। कोठारी प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने कृषि आधारित वस्तुओं, खनिजों, धातुओं, पेट्रोलियम उत्पादों और कोयला, टाइल्स, नोटबुक, कंप्यूटर भंडारण उपकरणों, कंप्यूटर हार्डवेयर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, ट्रांसफार्मर, कॉपियर पेपर, स्टील, स्क्रैप और पीवीसी आदि सहित विभिन्न उत्पादों / वस्तुओं के आयात निर्यात शामिल है।

ये हैं भारत के टॉप 5 अमीर राज्य

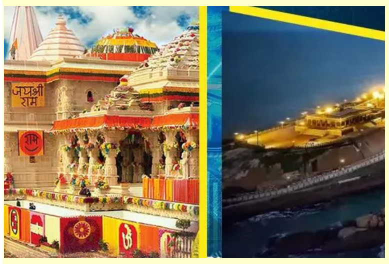

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं। ये राज्य देश के विविध भूगोल, भाषाओं और संस्कृतियों को समाहित करते हैं। राज्यों में निर्वाचित विधायिकाएं और सरकारें होती हैं, जबकि केंद्र शासित प्रदेशों को स्वायत्तता के विभिन्न स्तरों के साथ केंद्रीय रूप से प्रशासित किया जाता है।सभी राज्य अपने आप में एक अमूल सांस्कृतिक धरोहर समाहित किए हुए हैं। सबकी अपनी एक अलग पहचान है। लेकिन आज हम आपको बताएंगे कि आखिर भारत का कौन सा राज्य सबसे अमीर है। किस राज्य की जीडीपी सबसे अधिक है। और उत्तर प्रदेश किस नंबर पर है?

भारत का सबसे अमीर राज्य महाराष्ट्र है। Maharashtra की जीडीपी सबसे अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 में महाराष्ट्र की जीडीपी 4,531,518 करोड़ रुपये रही है। वहीं, वित्त वर्ष 2023-24 में महाराष्ट्र की जीडीपी 4,055,847 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2024 में इसका भारत की जीडीपी में इसकी 13.46 फीसदी हिस्सेदारी थी।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

महानगरी एक्सप्रेस के AC कोच में घुसे चोर, चलती ट्रेन में यात्रियों ने पकड़ा...150 KM तक बांधकर पीटा!

खंडवा- मुंबई से चलकर वाराणसी को जाने वाली महानगरी एक्सप्रेस में तीन चोर एसी कोच में चढ़ गए। इसके बाद यात्रियों का बैग चोरी कर लिया। यात्रियों की नजर उनपर पड़ी तो दो चोर चलती ट्रेन में से कूद गए, वहीं एक को यात्रियों ने घेर लिया। इसके बाद जमकर उसकी पिटाई की और उसे ट्रेन के डिब्बे में ही बांध दिया। ट्रेन 150 किमी दूर खंडवा पहुंची तब यात्रियों ने चोर को तत्र्क्कके हवाले किया। एक पीड़ित यात्री की शिकायत पर जीआरपी ने चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरु की।

दो चोर मौके से भागे

घटना मंगलवार सुबह की है। यात्रियों के अनुसार तीन चोर महानगरी एक्सप्रेस के एसी कोच बी-6 में चालिसगांव स्टेशन से चढ़े थे।इसके बाद यात्रियों का सामान चुराया। दो चोर मौके से भागने में सफल हो गए।एक को यात्रियों की यात्रियों ने जमकर पिटाई की और उसे चार घंटे ट्रेन में बांधकर रखा। ट्रेन सुबह करीब 9.45 बजे खंडवा स्टेशन पहुंची। यहां पीड़ित यात्री जफर अंसारी की शिकायत पर तत्र्क्क ने उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।चोर ने गलत बताया नाम

जीआरपी की पूछताछ में चोर ने अपना नाम अभिजीत लक्ष्मीकांत मिश्रा बताया। वहीं फरियादी यात्री ने कहा कि जब चोर की पिटाई हो रही थी तो वह खुद को कभी पंडित बताता, तो पिटाई होने पर अल्लाह-अल्लाह कह रहा था। वहीं चोर ने जीआरपी को प्रारंभिक पूछताछ में कहा कि उसने कोई चोरी नहीं की, वह तो परिवार के साथ सफर रहा था।

यात्री बोले- गांजे के नशे में था चोर

खंडवा स्टेशन पर उतरे गुस्साए यात्रियों ने कहा कि चोर के दो साथी बैग लेकर भाग गए, जिसमें उनके रुपये और मोबाइल था। यात्री ऋषिकेश पांडे निवासी जोनपुर ने कहा हम मुंबई से यात्रा कर रहे थे, चोर ने मारपीट के बाद कबूला कि उसके साथ दो साथी थे, जो भाग गए। यह चोर गांजे के नशे में था, इसलिए पकड़ा गया। ऐसे ही लोग ट्रेनों में महिलाओं से रेप भी करते हैं।

टीसी का भी नाम ले रहा था चोर

यात्री ऋषिकेश पांडे व अन्य ने आरोप लगाते हुए कहा कि चोर की जब विधिवत पिटाई शुरु हुई और हमने पूछा कि एसी कोच में कैसे चढ़ गया तो वह टीसी का भी नाम लेने लगा। यात्रियों ने कहा कि चोर, बदमाश ट्रेनों में घुमते है, यह ट्रेन के स्काड की चैकिंग की भी गलती है। बगैर टिकिट के चोर ष्ट डिब्बे में चढ़ गया।

पर्स और मोबाइल नहीं मिला

ट्रेन में चढ़े जो दो चोर भागने में सफल हो गए, वह खंडवा निवासी यात्री जफर अंसारी की पत्नी का पर्स ले गए।जिसमें नकदी, मोबाइल और दवाईयां थीं। जो उन्हें नहीं मिल पाया। अन्य यात्रियों ने कहा कि ट्रेन में इस तरह घटनाएं यात्रियों के साथ हो रही है। इससे अच्छा तो वह थोड़े रुपये और खर्च कर एसी का टिकट लेने की बजाय हवाई जहाज से सफर करना पसंद करेंगे।

ट्रेन से गिरकर सेना के पूर्व सूबेदार की मौत, यात्री ने फोन उठाकर दी थी जानकारी

रतलाम। आलोट रेलवे स्टेशन के पास 28-29 अगस्त की रात ट्रेन से गिरने से मृत व्यक्ति की पहचान सेना के सेवानिवृत्त सूबेदार 46 साल के दिलबाग सिंह के रूप में हुई।

सोमवार को मुक्तिधाम में सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। वह बाबा बूढ़ा एवेन्यू बस वाला बाजार, 14 बी के सामने अमृतसर (पंजाब) के निवासी थे।

हादसे के बाद से पहचान नहीं होने से शव दफना दिया गया था। इधर, पत्नी पलकप्रीत दिलबाग सिंह को ढूंढते हुए रतलाम पहुंचीं तो हादसे की जानकारी मिली। इसके बाद एसडीएम की अनुमति से शव निकलवाया गया।

महू कैंप से पहुंचे सेना के जवानों ने तिरंगे में लिपटे पार्थिव

शरीर को सलामी दी और स्वजन की मौजूदगी में पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करवाया।

पलकप्रीत ने बताया कि दिलबाग सिंह 17वीं सिखलाई बटालियन में सूबेदार के पद पर रहते हुए 26 वर्ष तक सेना में सेवा देने के बाद 30 मई 2024 को सेवानिवृत्त हुए थे। इसके बाद वे पुनः सेवा के लिए डीएससी (डिफेंस सिक्यूरिटी कोप्स) में भर्ती हुए थे।

अप्रैल में ट्रेनिंग के लिए केरल के कन्नूर गए थे। हादसे वाले दिन दिलबाग सिंह ट्रेनिंग पूरी कर ट्रेन से घर लौट रहे थे। दिलबाग सिंह को मुंबई के एयरपोर्ट पर ज्वाइनिंग देने जाना था।

यात्री ने फोन उठाकर दी थी जानकारी-पलकप्रीत ने बताया कि 27 और 28 अगस्त को उनकी दिलबाग सिंह से फोन पर बात हुई थी। 29 अगस्त को ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्री संजय ने दिलबाग का फोन उठाकर सूचना दी कि वह रात के बाद से दिखाई नहीं दे रहे, जबकि उनका सामान सीट पर रखा हुआ है।इसके बाद स्वजन तलाश में रतलाम तक पहुंचे। जहां रतलाम में उनके द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पुलिस ने दिलबाग के शव की शिनाख्ती करवाई। दिलबाग सिंह की दो बेटियां अनमोलदीप कौर, सिमरनदीप कौर और बेटा जन्नतदीप सिंह हैं।

20 हजार रुपए की रिश्वत लेते धराया सब इंजीनियर, इस काम के लिए मांगी थी घूस

दमोह। जिले में लगातार ही लोकायुक्त पुलिस द्वारा कार्यवाहियां जारी है। ऐसा कोई भी महीना नहीं जा रहा है जब दमोह जिले में लोकायुक्त द्वारा किसी अधिकारी कर्मचारी को पैसा लेते हुए रंगे हाथ ना पड़े जाए। इसी क्रम में मंगलवार की दोपहर दमोह जनपद पंचायत में उप यंत्री के पद पर पदस्थ राजन सिंह को खेत तालाब योजना के तहत मूल्यांकन करने के मामले में 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

80 हजार की मांगी थी रिश्वत-इस संबंध में लोकायुक्त टी आई कमल सिंह उइके ने बताया कि दमोह जनपद पंचायत में पदस्थ उपयंत्री राजन सिंह द्वारा खेत तालाब योजना के मूल्यांकन के लिए ग्राम पंचायत बरमासा के सरपंच लीला गौड़ से 80 हजार रुपए की राशि की मांग की जा रही थी। इस मामले में सरपंच एक माह पूर्व 20 हजार रुपए प्रथम किस्त के रूप में उप यंत्री को दे भी चुका था।20 हजार रुपए रंगे हाथ गिरफ्तार

आज मंगलवार को द्वितीय क़िस्त के रूप में 20 हजार रुपए की राशि देने के लिए उसके द्वारा लोकायुक्त में शिकायत की गई थी, जिसकी पुष्टि कराए जाने पर मामला सही था। इसी के उपरांत मंगलवार को टीम द्वारा उपयंत्री राजन सिंह के अभिनव होम्स स्थित आवास पर सरपंच से 20 हजार रुपए की राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया और कार्यवाही की गई।

महिला प्रधान आरक्षक की पीट-पीटकर पति ने की हत्या

सीधी। सीधी में एक हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां अवैध संबंधों के शक में कमर्जी थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक की उसके पति ने बेरहमी से हत्या कर दी।

घटना के बाद पति मौके से फरार हो गया, घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। मृतका की बेटी ने अपने पिता के लिए फांसी की मांग की है जिससे वो भी मम्मी की तरह तड़प- तड़प कर मरे।

यह पूरी घटना सोमवार की रात की है, जहां सीधी के कोतवाली थाना क्षेत्र के पुलिस लाइन कॉलोनी के जी 7 ब्लॉक में। पति वीरेंद्र साकेत ने अपने ही पत्नी प्रधान आरक्षक सविता साकेत की अवैध संबंधों के शक में बेरहमी से हत्या कर दी।मृतक सविता साकेत वर्तमान में कमर्जी थाना में, प्रधान आरक्षक के पद में पदस्थ थी जिनकी उम्र लगभग 40 वर्ष थी। उनका पति जलसंसाधन विभाग में ड्राइवर था जो खुद की गाड़ी चलाता था। महिला के दो बच्चे हैं एक बेटी उम्र 20 वर्ष और बेटा 22 वर्ष, बेटा इंदौर में पढ़ाई करता है और बेटी घटना के समय अपने ननिहाल में थी।

पहली बार कोदो-कुटकी की खरीदी, किसानों को मिलेगा समर्थन मूल्य

जबलपुर। मध्य प्रदेश सरकार पहली बार किसानों से कोदो-कुटकी खरीदेगी। इसकी शुरुआत जबलपुर के कुंडम तहसील से हो रही है। 15 सितंबर से सरकार को फसल बेचने वाले किसानों का पंजीयन शुरू हो गया है। कुंडम तहसील में करीब सात हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में किसानों ने कोदो-कुटकी की खेती की है। सरकार ने 2500 रुपये प्रति क्विंटल कोदो और 3500 रुपये प्रति क्विंटल कुटकी की दर निर्धारित की है। खरीदी का काम फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (एफपीओ) को दिया गया है। यह खरीदी धान-गेहूं और उड़द-मूंग की तरह नहीं होगी।

2158 एकड़ में देश का एकलौता पीएम मित्रा पार्क मप्र में

भैंसोला क्षेत्र छावनी में हुआ तब्दील

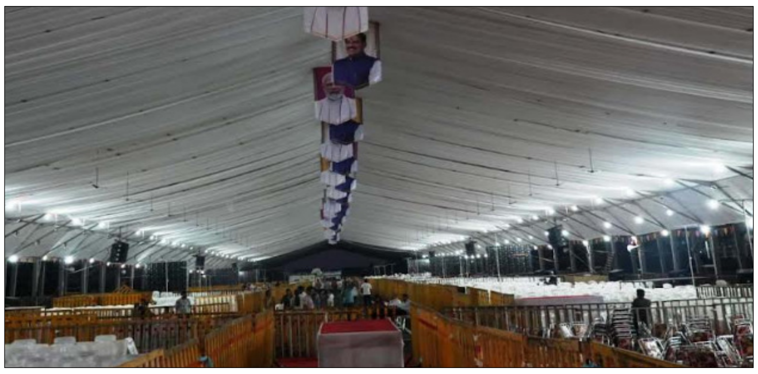

इंदौर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 17 सितम्बर को देश के पहले पीएम मित्रा पार्क की आधारशिला रखेंगे। धार जिले के भैंसोला में स्थापित होने वाले देश के पहले पीएम मित्रा पार्क में देश की अग्रणी 114 टेक्सटाइल कम्पनियों से 23 हजार करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। इन प्रस्तावों में से 91 कम्पनियों और इकाइयों के आवेदन स्वीकृत किये जाकर 1294 एकड़ से अधिक भूमि आवंटित किये जाने की अनुशंसा की जा चुकी है। 17 सितम्बर की तैयारियों के लिए जिला और पुलिस प्रशासन सहित भोपाल के उच्च अधिकारियों की निगरानी में कार्य युद्धस्तर पर जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं इस कार्यक्रम की पूरी जानकारी ले रहें है।

प्रधानमंत्री स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का करेंगे शुभारंभ- प्रधानमंत्री श्री मोदी 17 सितम्बर को स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ सुमन सखी चैटबॉट को लांच करेंगे। जनजातीय स्व-सहायता समूहों से स्वदेशी उत्पादों की खरीद और यूपीआई से भुगतान, सेवा पर्व एवं आदि कर्मयोगी अभियान का शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ÷एक बगिया मां के नाम÷ अभियान के तहत महिला लाभार्थियों को पौधों का वितरण, एक करोड़ सिकल सेल कार्ड के वितरण सहित स्वदेशी पखवाड़े का शुभारंभ भी करेंगे। कार्यक्रम में लाड़ली बहनें, स्व-सहायता समूह के स्वास्थ्य एवं स्वावलंबन योजना के हितग्राही सहित टेक्सटाइल एवं गारमेंट क्षेत्र के प्रमुख उद्यमी, युवा उद्यमी, महिला उद्यमी एवं हितग्राही उपस्थित रहेंगे।

70 विशेष पुलिस अधिकारियों सहित 2300 पुलिस जवान तैनात होंगे- कार्यक्रम की तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी है। धार एएसपी श्री विजय डावर ने बताया कि पीएम मित्रा पार्क के हर हिस्से में पुलिस की पूरी निगरानी की जा रही है। यहां 70 विशेष पुलिस अधिकारियों में 40 डीएसपी 20 एएसपी स्तर के और 2300 पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

पीएम मित्रा पार्क की स्थापना में अब तक- पीएम मित्रा पार्क में 91 कंपनियों द्वारा 23 हजार करोड़ का निवेश किया गया है। जिन्हें 1294 एकड़ भूमि आवंटित की जा चुकी है। 220 केवीए का सब स्टेशन स्थापित होगा। 20 एमएलडी का कॉमन एफ्ल्यूएन्ट ट्रीटमेंट प्लांट, 10 एमवीए का सौर ऊर्जा प्लांट के साथ ही 95750 वर्गमीटर क्षेत्र में फैली 81 प्लग एंड प्ले यूनिट्स, दो केंद्रीयकृत स्टीम बॉयलर और पाइप लाइन नेटवर्क के साथ ही श्रमिकों व महिला कर्मचारियों के लिए आवास व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

तुलसी नगर में अवैध हॉस्टल-होटलों के खिलाफ भड़का आक्रोश, निगम से की त्वरित कार्रवाई की मांग

इंदौर। तुलसी नगर कॉलोनी में भू-स्वामियों द्वारा तेजी से बनाए जा रहे अवैध हॉस्टल और होटलों के खिलाफ रहवासी खुलकर विरोध में उतर आए हैं। इस संदर्भ में श्री तुलसी सरस्वती सोशल वेलफेयर सोसाइटी ने नगर निगम भवन अनुज्ञा विभाग के अपर आयुक्त को पत्र भेजकर ऐसे सभी आवासीय परिसरों पर कार्रवाई की मांग की है, जहाँ अवैध रूप से हॉस्टल और होटल संचालित हो रहे हैं या उनका निर्माण जारी है। सोसाइटी के अध्यक्ष राजेश तोमर ने पत्र में कहा कि इन अवैध गतिविधियों से कॉलोनी की शांति और व्यवस्था भंग हो रही है। हॉस्टल और होटलों के कारण अनियंत्रित ट्रैफिक समस्या पैदा हो गई है। इसलिए निगम को चाहिए कि तत्काल वैधानिक कार्रवाई कर इन स्थलों को अतिक्रमण से मुक्त कराए। कॉलोनी के रहवासी भी नाराज हैं। उनका कहना है कि आवासीय क्षेत्र में न तो हॉस्टल और होटल संचालन की अनुमति है और न ही नए निर्माण की, फिर भी खुलेआम नियमों की अनदेखी की जा रही है।

सीमाओं से परे माँ की ममता: संतान की सलामती के लिए माताओं रखा 36 घंटे का निर्जला महाव्रत

इंदौर। माँ का व्रत भूख-प्यास की परीक्षा नहीं, बल्कि संतान की सुख शांति, खुशहाली की मौन प्रार्थना है। आधुनिक युग में जहाँ संचार के साधन पलों में दूरियों को मिटा देते हैं, वहीं माँ की ममता एक रिश्ता ऐसा है जो सदा से अटूट और अमर है। इसी असीम ममता की पावन झलक शहर में देखने को मिली, जब मैथिल, भोजपुरी और अन्य पूर्वांचली समुदाय की सैकड़ों माताओं ने अपने बच्चों के दीर्घायु, सुख और समृद्धि के लिए कठिन जितिया महाव्रत रखा। 36 घंटे के निर्जला जितिया महाव्रत का समापन सोमवार सुबह पारण के साथ हुआ।

सोमवार सुबह शहर का वातावरण श्रद्धा से सराबोर हो गया। ठीक सुबह 6÷27 बजे माताओं ने पवित्र स्नान कर भगवान

जीमूतवाहन की पूजा-अर्चना की और खीरा, अंकुरित अनाज, पान के पत्ते, मखाना, फल और मिठाई का नैवेद्य अर्पित किया। इसके बाद ही 36 घंटे की कठोर तपस्या पूर्ण कर माताओं ने प्रसाद ग्रहण कर पारण किया।

तुलसी नगर निवासी शारदा झा, जो पिछले 30 वर्षों से जितिया व्रत कर रही हैं, उपवास तोड़ने से पहले उन्होंने अमेरिका के शिकागो में रह रहे अपने बेटे-बहू, कोलकाता, दरभंगा, फरीदाबाद, दोहा तथा अबू धाबी में रह रहे परिवार की बेटियों, बहनों, बेटों, परिजनों के साथ वीडियो कॉल के माध्यम से जुड़कर सभी को भगवान जीमूतवाहन के चरणों में आशीर्वाद लेने का अवसर दिया। ममता से भरी नम आखों से हाथ जोड़कर उन्होंने परिवार के बच्चों की सुख-समृद्धि और दीर्घायु जीवन की प्रार्थना की। आभासी माध्यम से देश, विदेश में रह रहे अपने बच्चों को उनके दीर्घ एवं स्वस्थ्य जीवन का आशीर्वाद देने का यह भावुक दृश्य साबित कर गया कि माँ की ममता, उनका आशीर्वाद सरहदों और महासागरों से कहीं अधिक शक्तिशाली होती है।

शहर के मैथिल-बिहारी एवं पूर्वोत्तर समाज के वरिष्ठ के.के. झा ने कहा– जैसे छठ पर्व अपनी कठोरता और आस्था के लिए प्रसिद्ध है, वैसे ही जितिया मिथिला की परंपरा का अनमोल रत्न है। यह केवल उपवास नहीं, बल्कि अपार प्रेम और त्याग का प्रतीक है। 36 घंटे तक माताएँ भूख-प्यास भुलाकर सिर्फ एक संकल्प के साथ रहती हैं–अपने बच्चों की भलाई के लिए।

इस वर्ष जितिया महाव्रत कर रही मैथिल समाज के परिवारों में शहर के मैथिल समाज की संस्था - मैथिल सामाजिक मंच द्वारा आवश्यक सामग्री वितरित की गई, ताकि सभी माताएँ 'नहाय-खाय' की परंपरा पूरी श्रद्धा और गरिमा के साथ निभा सकें।

आमजन से जुड़ी समस्याओं का सभी अधिकारी प्राथमिकता और सकारात्मकता के साथ करें निराकरण

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा है कि आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण तथा उन्हें शासकीय योजनाओं-कार्यक्रमों और सेवाओं का समय पर लाभ उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि समस्याओं के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले तथा योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक न पहुँचाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्री वर्मा आज इंदौर में अंतर्विभागीय समन्वय समिति एवं समय-सीमा पत्रों के निराकरण (टीएल) की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उन्होंने सीएम हेल्पलाइन एवं लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की और निर्देश दिए कि आगामी सात दिवस में निराकरण की गति में ठोस प्रगति लाई जाए। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य, श्रीमती निशा डामोर सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि समस्याओं का निराकरण पारदर्शी और प्रभावी ढंग से सकारात्मक हो, जिससे आवेदकों को बार-बार चक्कर लगाने की परेशानी नही उठाना पड़े।

इंदौर के सांदीपनि मालव कन्या विद्यालय को मिला एक्सीलेंस स्कूल अवार्ड

इंदौर। सांदीपनि मालव कन्या विद्यालय इंदौर ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) का एक्सीलेंस राष्ट्रीय स्तर का स्कूल अवार्ड जीता है। अलायंस फॉर री-इमेजिनिंग स्कूल एजुकेशन अवार्ड (अराइज) फिक्की का प्रतिष्ठित अवार्ड है। विद्यालय को अवार्ड बच्चों में अकादमिक विषयों से आगे बढ़कर भविष्य के लिये स्किल्स डेव्हलपमेंट के क्षेत्र में नवाचार किये जाने केलिये दिया गया है। विद्यालय के बच्चों को कम्प्यूटर में कोडिंग सिखाई जा रही है। इसी के साथ कम्युनिकेशन और क्रिएटिव की नई तकनीक सिखाई जा रही है। सरकारी स्कूल के बच्चों में स्किल डेवलप कर भविष्य के लिये तैयार किया जा रहा है। नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में हुए कार्यक्रम में अनेक शिक्षाविद् के साथ हाल ही में भारत से स्पेस स्टेशन पर गये ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला भी मौजूद थे। प्रदेश के लिये गौरव की बात है कि देश के एक हजार स्कूलों में इंदौर के सांदीपनि विद्यालय ने अपने नवाचार कार्यक्रम के जरिये यह पुरस्कार जीता है। पुरस्कार प्राचार्य श्री रामकृष्ण कोरी और उनकी टीम ने प्राप्त किया। प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में पीपल फाउंडेशन की मदद से बच्चों में कम्प्यूटर में दक्षता के लिये यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। ज्यूरी सदस्यों में केन्द्र सरकार की पूर्व शिक्षा सचिव सुश्री अनीता करवाल और नेशनल काउंसिल ऑफ टीचर एजुकेशन के चेयर पर्सन प्रो. पंकज अरोरा भी शामिल थे।

सिंहस्थ-2028 के लिए एम.पी. ट्रांसको के कार्य एक वर्ष पूर्व पूरा करने का बनायें लक्ष्य

इंदौर। सिंहस्थ-2028 के सफल आयोजन को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) उज्जैन में अपनी पारेषण प्रणाली को और सुदृढ़ बना रही है। इस संबंध में साउथ जोन इंदौर स्थित एम.पी. ट्रांसको के प्रशासनिक भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में प्रबंध संचालक श्री सुनील तिवारी ने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिंहस्थ के कार्यों की नियमित निगरानी की जाए और उन्हें समयसीमा व उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए।

उन्होंने कहा कि कार्ययोजना इस प्रकार बनाई जाए कि सिंहस्थ आयोजन से एक वर्ष पूर्व सभी

कार्य पूर्ण हो जाएं, जिससे पारेषण तंत्र की स्थिरता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय उपलब्ध हो सके। बैठक में इंदौर और उज्जैन मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इंदौर के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री राजीव अग्रवाल ने जानकारी दी कि सिंहस्थ अवधि में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पहले चरण में 132 के.व्ही. चिंतामन सबस्टेशन के निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। त्रिवेणी बिहार, उज्जैन में प्रस्तावित सबस्टेशन के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है। इसके अलावा 220 के.व्ही. शंकरपुर सबस्टेशन पर वर्तमान 20 एम.व्ही.ए. ट्रांसफार्मर को अपग्रेड कर 50 एम.व्ही.ए. का नया ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है।

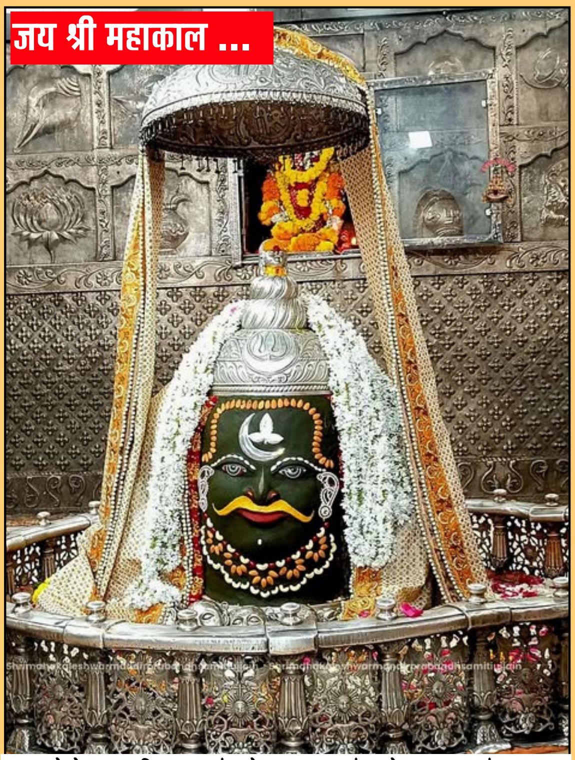

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

2000 ट्रैक्टर लिए सड़कों पर उतरे हजारों अन्नदाता

उज्जैन। भारतीय किसान संघ ने 16 सितंबर मंगलवार को अपनी 15 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्य रूप से सिंहस्थ क्षेत्र में लैंड पुलिंग के विरोध में शक्ति प्रदर्शन किया। लगभग 2000 ट्रैक्टर लिए हजारों किसान अपने राष्ट्रीय महामंत्री एवं स्वयंसेवक संघ के प्रचारक मोहिनी मोहन मिश्र व प्रदेश के तमाम पदाधिकारियों के साथ उज्जैन के सामाजिक न्याय परिसर में एकत्रित हुए. कुछ किसान प्याज की माला पहन कर आए तो कुछ हाथ मे खराब फसलें लेकर पहुंचे. वहीं एक किसान हाथ में हल लिए भगवान बलराम के भेष में विरोध जताने पहुंचा।

किसान सभा के बाद हाथों मे स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर किसानों ने उज्जैन के प्रशासनिक संकुल भवन कलेक्टर कार्यालय तक ट्रैक्टर रैली निकाली और अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा. भाजपा नेता पूर्व मंत्री पारस जैन ने किसानों के प्रदर्शन को समर्थन

दिया. पूर्व में भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय विधानसभा में किसानों के इस मुद्दे को उठा चुके है. वहीं उज्जैन में हुए प्रदर्शन में कांग्रेस के सचिन पायलट, दिग्विजय सिंह, जीतू पटवारी, हरीश चौधरी सहित कई नेताओं ने किसानों के मुद्दे को लेकर सरकार को जमकर घेरा था।

क्या कहा राष्ट्रीय महामंत्री एवं संघ प्रचारक ने-भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय महामंत्री एवं स्वयंसेवक संघ के प्रचारक मोहिनी मोहन मिश्रा सरकार पर जमकर बरसे उन्होंने कहा, ये सिर्फ किसान संघ का आन्दोलन नहीं हैं। हमारे साथ कई संगठन और साधु-संत हैं, आने वाला सिंहस्थ आस्था, भक्ति के साथ करें ये विकास-विकास करने वालों को समझ नहीं आता क्या? विकास क्या होता है? रास्ता बनाना विकास नहीं है. लोग सुख-शांति से रहें, कमाएं. किसान के लिए लड़ो भाई... किसान के साथ मत लड़ो! तुम आज हो कल नहीं रहोगे, ये समझ लो क्या लैंड पुलिंग?

राष्ट्रीय महामंत्री ने आगे कहा, तुम आज हो कल नहीं रहोगे ये समझ लो. आंध्र प्रदेश और पंजाब सरकार ने शुरू किया था लैंड पुलिंग क्या हालत हो गई थी उनकी जान लो! ये जमीन खींचने का काम है किसान से बात करो भाई जब सबसे पहले आंध प्रदेश में लैंड पुलिंग हुआ ता चंद्रबाबू नायडू की हालत देखी थी. हरा गमछा डाल-डाल घूमना पड़ा था. किसानों के साथ जहां-जहां लड़ाई हुई... जहां-जहां अन्याय हुआ वहां शासन प्रशासन के साथ क्या हुआ यह सरकार को सोचना चाहिए. भारतीय किसान संघ किसी राजनेता को अपने मंच पर जगह नहीं देगा. किसान संघ कुछ भी कर सकता है इस बात का ध्यान रखें.सरकार छुप रही है.. किसानों के सामने आने की हिम्मत नहीं कर रही...

ओमप्रकाश मोहने द्वारा उज्जैन जिले के जिलाध्यक्ष पद पर अजय राठौर की नियुक्ति की गई

उज्जैन। श्री गुरु रविदास विश्वमहापीठ भारत, मध्यप्रदेश की प्रदेश कार्यसमिती की बैठक में महापीठ के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार डॉ. सत्यनारायण जटिया के मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष महामण्डलेश्वर रविदासाचार्य पुर्व मंत्री सुरेश राठौर के निर्देशानुसार प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश मोहने द्वारा उज्जैन जिले के जिलाध्यक्ष पद पर अजय राठौर की नियुक्ति की गई।

प्रदेश मंत्री मुकेश सुर्यवंशी (खलीफा) ने बताया कि नवनियुक्त जिलाध्यक्ष की नियुक्ति के उपरांत बडी संख्या में समाज के युवा एवं समाजिक बंधुवर उनके निज निवास पर पहुंचे। सर्व प्रथम सतगुरु संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की आरती कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमे मुख्य अतिथी श्री गुरु रविदास विश्वमहापिठ भारत के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश मोहने एवं महापीठ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेशचंद्र सुर्यवंशी व प्रदेश मंत्री मुकेश सुर्यवंशी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अजय राठौर का माला पहनाकर, शाल श्रीफल पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन कर शुभकानाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश मोहने ने अपने उद्बोधन में महापीठ की विचारधारा, उद्देश्यों एवं राष्ट्रीय नेतृत्व की जानकारी साझा करते हुए कहा कि समाज का हर युवा सतगुरु रविदासजी के बताए मार्ग पर चलकर समाज को मुख्यधारा से जोड़ने में योगदान दे।

नूरी खान असम एवं राजस्थान महिला कांग्रेस की पर्यवेक्षक नियुक्त

उज्जैन। मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष नूरी खान को अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की ओर से असम एवं राजस्थान महिला कांग्रेस पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया। ऑल इंडिया महिला कांग्रेस अध्यक्ष अल्का लांबा ने नूरी खान को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए कहा कि आप तत्काल एक फील्ड रिपोर्ट तैयार करना शुरू करें और उपरोक्त राज्यों की महिला कांग्रेस अध्यक्षों से संपर्क स्थापित करें।

विश्वकर्मा पूजन दिवस पर पांचाल समाज की वाहन रैली आज

उज्जैन। आराध्य देव भगवान श्री विश्वकर्माजी के पूजन दिवस 17 सितंबर को पांचाल समाज उज्जैन द्वारा युवा मंच के तत्वाधान में आज सुबह 9:30 बजे तिलकेश्वर गोशाला प्रांगण में पूजन एवं नवनियुक्त भाजपा नगर कार्यकारिणी का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

युवा मंच अध्यक्ष विशाल पांचाल ने बताया कि पूजन के बाद विशाल वाहन रैली का आयोजन किया जाएगा। जो पीपली नाका चौराहा से प्रारंभ होकर इमली चौराहा, पटेल नगर, निकास चौराहा, तेलीवाड़ा, मिर्जा नईम बेग मार्ग, ढाबा रोड होते हुए पांचाल धर्मशाला पहुंचेगी। जहां धर्मशाला स्थित मंदिर में भगवान विश्वकर्माजी की महाआरती दोपहर लगभग 1 बजे की जावेगी। युवा मंच ने आराध्य देव भगवान श्री विश्वकर्माजी के पूजन दिवस पर होने वाले इस आयोजन में सभी समाजजनों से शामिल होने का अनुरोध किया है।

68 वर्ष तक की आयु के खिलाड़ियों ने मैदान पर दिखाया शानदार फुटबॉल खेल

उज्जैन। श्रीमती जमुना देवी उशारिया एवं श्रीमती कविता शाह स्मृति 45 प्लस फुटबॉल टूर्नामेंट अनुशासन और उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें 68 वर्ष तक की आयु के खिलाड़ियों ने मैदान पर शानदार फुटबॉल खेल दिखाया और दर्शकों ने खेल का भरपूर आनंद लिया।

कुल 8 टीमों ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लिया। फ़ाइनल मुकाबला स्टूडेंट्स क्लब और बी.सी. क्लब के बीच खेला गया, जिसमें स्टूडेंट्स क्लब ने 4-1 से विजयी होकर ट्रॉफी अपने नाम की। मैच का सबसे आकर्षक प्रदर्शन गिरीश जोशी ने किया, जिन्होंने 2 गोल दागे और ÷मैन ऑफ द मैच÷ घोषित हुए। बी.सी. क्लब की ओर से दिलीप झांझोट एवं अभिषेक कुशवाह ने सराहनीय खेल दिखाया। अन्य खिलाड़ियों की रुचि बनाए रखने के लिए एक पेनल्टी शूटआउट टूर्नामेंट भी आयोजित किया गया। इसमें 12 टीमों ने भाग लिया। इसमें क्रिश्चियन ब्रदर्स फुटबॉल क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता, जबकि उज्जैन का सबसे पुराना क्लब अंबिका स्पोर्ट्स उपविजेता रहा।

141 लावारिसों की आत्म शांति के लिए किया तर्पण

उज्जैन। पितृ पक्ष में समाजसेवी अनिल डागर द्वारा शिप्रा नदी में लावारिस 141 मृतकों की आत्म शांति के लिए तर्पण पूजन किया।

समाजसेवी अनिल डागर पिछले 40 वर्षों से लावारिस लाशों का अंतिम संस्कार करते आ रहे हैं। डागर के अनुसार लावारिस लाशों का अंतिम संस्कार करने के कारण इन सबका भार मुझपर रहता है, सनातन धर्म में श्राध्द पक्ष में तर्पण, श्राध्द करने से मृतकों की आत्मा को शांति मिलती है। अनिल डागर द्वारा पुलिस, प्रशासन की सूचना पर सड़क, नदी, रेल पटरियों, फांसी, बीमारी सहित विभिन्न कारणों से अज्ञात शवों को उठाकर उनका अंतिम संस्कार किया जाता है, इस वर्ष 141 लावारिसों का अंतिम संस्कार किया गया। इन सभी की आत्मा की शांति के लिए श्री विप्रवेदिक गुरुकुल के बटुकों द्वारा मंत्रोच्चार के बीच सुनील डागर, धर्मेन्द्र जोशी, गुड़ा टांक, आजु खान, सुमन मालवीय आदि के साथ तर्पण किया गया। पूजन उत्तम गुरु, प्रेम गुरु द्वारा करवाया गया।

महाकाल कॉरिडोर बना तब से लावारिस लाशें उज्जैन में बड़ी

अनिल डागर ने बताया कि वे पिछले 40 वर्षों से लावारिस लाशें उठाने का काम कर रहे हैं, लेकिन जब से महाकाल कॉरिडोर बना है तब से लावारिस लाशों की संख्या में अचानक बढ़ोत्तरी हुई है। जिसके पीछे बड़ा कारण यह है कि इंदौर नगर निगम के साथ ही मध्यप्रदेश की अन्य नगर निगम से भी लावारिसों को उज्जैन लाकर छोड़ा जा रहा है। जिससे उज्जैन में अचानक लावारिसों और उनकी मौत के बाद लावारिस लाशों की संख्या बड़ गई है।

हिंदी भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता का स्वाभिमान है

उज्जैन। हिंदी भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता का स्वाभिमान है। उक्त उदगार हिंदी दिवस पर बैंक ऑफ इंडिया सेठी नगर पर आयोजित हिंदी राष्ट की बिंदी विषय पर राष्टपति अलंकरण से सम्मानित स्वामी मुस्कुराके, शैलेंद्र व्यास ने व्यक्त किये। स्वामी मुस्कुराके ने कहा कि हिंदी भाषा भारतीय मानव मस्तिष्क का शस्त्रागार है। दिक्कत वही खड़ी होती है जब अंग्रेजी रूपी टाई की गांठ हिंदी रूपी धोती कुर्ते पर रोब जमाती है। हिंदी में अंग्रेजी की तरह छोटी बड़ी अँग्रेजी नहीं है। हिंदी हिंदुस्तान का मन है तो भारत हिंदी का तन है...दुर्भाग्य है कि सरकार हिंदी में बनती है और बर्थडे अंग्रेजी में है। हिंदी तप है, प्रेरणा है, मानव मन के लिखे दिल के उदगार हैं। अलंकार, रस, छंद, भावों का श्रृंगार है। हिंदी में बिंदी भी बोलती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंजाबी साहित्य अकादमी के अध्यक्ष, बैंक यूनियन के पदाधिकारी यू एस छाबड़ा ने की।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com